ब्राक मीडिया

डॉ. भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय के मीडिया छात्रों का प्रायोगिक समाचार-पत्र

ब्राक मीडिया के निरंतर दो वर्ष प्रकाशित होने की बधाई। 27 अक्टूबर 2023 को कई साल बाद पहला संस्करण प्रकाशित हुआ। शिक्षकों के मार्गदर्शन का, सभी सहयोगी विद्यार्थियों का और विशेष रूप से पाठकों का हृदय से आभार।

नई दिल्ली, 08 अप्रैल 2026 | अंक 10 , पृष्ठ 1

वर्तमान का संघर्ष भविष्य का निर्माण करता है : स्पीकर

वर्तमान पीढ़ियों का संघर्ष ही भविष्य की पीढ़ी के लिए स्वर्णिम रास्तों का निर्माण करता है। ये बातें दिल्ली विधान सभा के अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. भीमराव अम्बेडकर कॉलेज में 17 फरवरी संपन्न हुए 35वें वार्षिकोत्सव कार्यक्रम के अवसर पर कहीं। कार्यक्रम में अकादमिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली विधानसभा के माननीय अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, भारत में सूरीनाम गणराज्य की राजनयिक विशिष्ट अतिथि सुनैना मोहन और सम्मानित अतिथि के रूप में भारत पर्यावास केंद्र(नई दिल्ली) के महानिदेशक प्रो. के जी सुरेश, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के संयुक्त सचिव डॉ. जी एस चौहान और महाविद्यालय शासी निकाय के कोषाध्यक्ष प्रो. कुलवीर गोजरा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय शासी निकाय के अध्यक्ष प्रो. रणजित् बेहेरा ने की। वार्षिकोत्सव

दिल्ली विधानसभा के स्पीकर बिजेन्द्र गुप्ता और सूरीनाम के राजनयिक का स्वागत करते प्राचार्य

को संबोधित करते हुए दिल्ली विधान सभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि आज आपके बीच पाकर मुझे अपने कॉलेज के दिनों की याद ताजा हो गई। आज आपकी उपलब्धियों के लिए आपको सम्मानित और पुरस्कृत किया जा रहा है। इसके लिए सभी पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई और शुभकामनाएं। युवा पीढ़ी का संघर्ष देश को तरक्की के रास्ते पर ले जाता है। दिल्ली विधान सभा के अध्यक्ष ने कहा कि हमारे पूर्वजों के संघर्षों ने हमें आजादी दिलाई थी। आज हमारी पीढ़ी विरासत के साथ विकास के रास्ते को अपना रही है और देश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर हो रहा है। आप भी जीवन के तमाम क्षेत्रों में परिश्रम कर देश का नाम रोशन करें। कार्यक्रम के दौरान दिल्ली विधान सभा द्वारा तैयार की गई डॉक्यूमेंट्री वीर विट्ठल भाई पटेलजी इंडियाज फर्स्ट इलेक्टेड स्पीकर विद्यार्थियों को दिखाई गई। विधानसभाध्यक्ष ने कहा कि हम अपनी प्रतिबद्धता से अपने आने वाले कल के लिए सपने बुनें और उन्हें पूरा करने का प्रयास करें। विजेंद्र गुप्ता ने दिल्ली विधानसभा के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए महाविद्यालय को एक कॉफी टेबल बुक प्रदान की जिसमें विधान सभा के प्रारंभ से अब तक के सफर का उल्लेख है। उन्होंने बताया कि दिल्ली विधानसभा देश का पहला विधानसभा है जो सौर ऊर्जा से संचालित होता है और विधान सभा की कार्यवाही पेपरलेस तरीके चलती है जिसकी वजह से एक सत्र के संचालन के दौरान तकरीबन एक सौ पेड़ों की रक्षा हो पाती है। उन्होंने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि समय किसी का इंतज़ार नहीं करता। बस हम उसके साथ कितना चल पा रहे हैं, यह ज्यादा महत्वपूर्ण है। हमें उसके साथ चलने और परिवर्तन के अनुसार गतिशील रहने की आवश्यकता है।सूरीनाम की भारत में राजनयिक सुनैना मोहन ने कहा कि सूरीनाम में भारतीय लोग औपनिवेशिक काल में गिरमिटिया मजदूर के रूप में ले जाये गये थे किन्तु वे न अपनी भाषा भूले और न ही उन्होंने अपनी संस्कृति को भुलाया। वर्तमान में हमारी पांचवीं पीढ़ी भी भारत की भाषा और भारत की संस्कृति की विरासत को आगे बढ़ा रही है और मैं उसकी जीता-जागती उदाहरण हूँ। बतौर राजनयिक मैं छह विदेशी भाषा को जानती हूँ किन्तु हिन्दी को भूली नहीं हूँ।

शेष पृष्ठ 4 पर

कॉलेज में वंदे मातरम् का सामूहिक गान

वन्दे मातरम् के 150 वर्ष होने के अवसर पर डॉ. भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्र की ओर से वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया गया। "वन्दे मातरम् गीत के लिए उपस्थित छात्रों को संबोधित करते हुए, प्रो. बिजेन्द्र कुमार ने कहा कि वंदे मातरम् गीत हमारे अतीत के संघर्ष, विरासत और सामूहिकता की अभिव्यक्ति है। यह राष्ट्रीयता एवं देश प्रेम के प्रसार का परिचायक है। देश के सामने एक के बाद एक चुनौतियाँ आती रहीं, इन सबके बीच वंदे मातरम् ने भारतीयों के बीच ऊर्जा प्रदान करने एवं विपरीत परिस्थितियों से जूझने का हौसला बढ़ाते आया है। बंकिमचंद्र चटर्जी द्वारा रचित वंदे मातरम राष्ट्रगीत है जो जनमानस को स्वतंत्रता के लिए उद्वेलित करने वाला रहा था। अवसर पर भारी संख्या में शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्रों ने मिलकर 'वन्दे मातरम' का गायन एवं देश में प्रति अपनी निष्ठा और प्रेम की अभिव्यक्ति की। इस अवसर पर मंच का संचालन डॉ. विनीत कुमार ने किया।

सफल होने के लिए कार्य के प्रति ईमानदारी और स्पष्टता जरूरी : कामाख्या नारायण सिंह

डॉ. भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय के हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रम, हिंदी विभाग ने मीडिया फेस्ट 2026 का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता, द केरला स्टोरी 2 के निर्देशक कामाख्या नारायण सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय मेरी मातृभूमि है। अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि गुवाहाटी से जब दिल्ली आया तो मेरे दिमाग में बिल्कुल स्पष्ट था कि मुझे फिल्म निर्देशन के क्षेत्र में ही कार्य करना है। जीवन में क्या करना है, इसकी स्पष्टता बहुत जरूरी है। कॉलेज में बने संबंधों को लेकर नि:स्वार्थ होना जरूरी है क्योंकि सही मायनों में यही लोग आपके शुभचिंतक होते हैं। उन्होंने कहा कि फिल्म मेकिंग का क्षेत्र काफी बड़ा है। आप अपने मोबाइल की सहायता से भी अच्छी फिल्म बना सकते हैं।

मीडिया फेस्ट 2026 में अतिथियों के संग हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रम के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी

आप अपने काम को ईमानदारी से करते रहिए, सफलता जरूर मिलेगी। प्राचार्य प्रो. सदानंद प्रसाद ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रम का यह फेस्ट विद्यार्थियों में रचनात्मक कौशल और अभिव्यक्ति विकसित करेगा। हमारे पूर्ववर्ती विद्यार्थियों ने मीडिया, सिनेमा और शिक्षा के क्षेत्र में मुकाम हासिल किया है। यह गर्व की बात है। उन्हें अपने बीच पाकर हम सभी गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

कार्यक्रम संयोजिका प्रो. शशि रानी ने कहा कि अपने विद्यार्थियों को अतिथि के रूप में स्वागत करना गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि परिवार में एक महिला शिक्षित होती है तो पूरी पीढ़ी शिक्षित होती है, लेकिन जब एक महिला संपादक बनती है तो पूरे समाज की चेतना को जागृत करती है। इस अवसर पर मीडिया, सिनेमा और शिक्षा जगत की सुप्रसिद्ध एवं नामचीन हस्तियां जिसमें फिल्म निर्माता दीप्ति खुराना, सुशीला सिंह, गीतम श्रीवास्तव,वरिष्ठ पत्रकार वर्तिका तोमर, कोमिका माथुर, डॉ. पूनम गौड़, डॉ. श्वेता गौड़, डॉ. रितु खत्री, क्षमा त्रिपाठी, अदिति, मीडिया यंग प्रोफेशनल महिमा गुप्ता एवं हेमा जोशी के साथ महाविद्यालय के शासी निकाय के अध्यक्ष रणजित् बेहेरा और पाठ्यक्रम संयोजक प्रो. बिजेंद्र कुमार उपस्थित रहे। मीडिया फेस्ट में रचनात्मक कौशल के विकास के लिए प्रतियोगिताओं का का आयोजन किया गया जिसमें शॉर्ट मूवी और डॉक्यूमेंट्री , न्यूज रिपोर्टिंग एवं एंकरिंग, ऑन स्पॉट मोबाइल फोटोग्राफी और प्रेस विज्ञप्ति लेखन प्रतियोगिता शामिल था। इसमें विभिन्न विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भागीदारी की।

पाठ्यक्रम संयोजक प्रो. बिजेंद्र कुमार ने कहा कि यह क्षण भावुक करने वाला है। हम सभी अपने बीच पूर्ववर्ती विद्यार्थियों को पाकर आनंदित हैं। अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्र, पौधा और श्रीमद्भगवद्गीता से गया। इस अवसर पर प्रो. नीरव अडालजा, प्रो. चित्रा रानी, प्रो. रामप्रकाश द्विवेदी,प्रो. रजनी वत्स, प्रो. धनंजय कुमार, प्रो. ममता वालिया,प्रो. कुसुम नेहरा, डॉ. मंजू शर्मा,डॉ.विनीत कुमार, डॉ.आदर्श मिश्र, डॉ. अखिलेश, डॉ. सरोज, डॉ.सुभाष गौतम, डॉ. प्रवीण झा, डॉ. रंजीत कुमार, डॉ. अनु चौहान , हरिकृष्ण जाखड़ शामिल रहे।

भारत की धरती लोकतंत्र की जननी : रामबहादुर राय

डॉ. भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय में संविधान दिवस के अवसर पर राजनीतिक विज्ञान विभाग ने एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के अध्यक्ष पद्म भूषण रामबहादुर राय उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. सदानन्द प्रसाद कहा कि बाबासाहब एवं स्वतंत्रता सेनानियों के अथक प्रयास से हमारे संविधान का निर्माण हुआ है। कार्यक्रम समन्वयक प्रो. राजेश उपाध्याय ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि मेरा संविधान मेरा स्वाभिमान है। उन्होंने सभी संविधान निर्माताओं का अभिवादन किया और कहा कि संविधान के आदर्शों एवं बाबासाहब के मूल्यों पर ही विकसित भारत का निर्माण संभव है। मुख्य वक्ता राम बहादुर राय ने कहा कि संविधान दिवस राष्ट्रीय पर्व है। पहला संविधान दिवस 2015 में मनाया गया और तभी से यह सिलसिला लगातार चलता आ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक भारतीयों के अंदर संवैधानिक चेतना व्याप्त है और यही भारतीय संविधान की विशेषता को दिखाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पंडित नेहरू पहले व्यक्ति थे जिन्होंने भारतीय संविधान की परिकल्पना की थी।

ब्राक मीडिया के 9वें संस्करण का विमोचन करते पद्मभूषण श्री राम बहादुर राय

रामबहादुर राय के अनुसार संविधान लेखन की शुरुआत आंतरिक विरोध और निराशा के साथ हुई थी लेकिन राजेन्द्र प्रसाद की अध्यक्षता में यह कार्य आसानी से संपन्न हुआ। उन्होंने आपातकाल के दौर को याद करते हुए बताया कि आपातकाल भारतीय संविधान के लिए काला अध्याय है। उन्होंने बताया कि इंदिरा गांधी ने भारतीय नागरिकों पर 1975 में जुल्म किया। नागरिक अधिकारों पर प्रतिबंध लगाया। संविधान के भाग तीन में वर्णि मूल अधिकारों को भी प्रतिबंधित कर दिया। आपातकाल के दौरान अनुच्छेद-21 में उल्लिखित जीवन के अधिकार पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया था जो क्रूरता की सीमाओं को लांघने वाला था। देश में संविधान को बचाने के नाम पर आपातकाल लगाया था लेकिन मामला तत्कालीन प्रधानमंत्री के पद को सुरक्षित करने का था। इस दौरान इंदिरा गांधी की अधिनायकवादी सोच की रक्षा के लिए संविधान के अनुच्छेद 38 से 41 में संशोधन भी किये गए थे जिससे कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की संवैधानिक तानाशाही को स्थापित किया जा सके। राम बहादुर राय ने कहा कि भारत का भविष्य संविधान में ही निहित है। उन्होंने बताया कि संविधान की मूल प्रस्तावना में कुल 82 शब्द थे, लेकिन आपातकाल के दौरान मूल प्रस्तावना को संशोधित कर तीन शब्द जोड़े गए। जिसमें समाजवाद, पंथनिरपेक्ष एवं अखंडता शामिल हैं। इस अवसर पर हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठयक्रम के ब्राक मीडिया के 9वें संस्करण का रामबदुर राय ने लोकार्पण किया और विद्यार्थियों के प्रायोगिक कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

नशे से दर रहकर सेहत पर फोकस करें युवा

डॉ. भीमराव अम्बिडकर महाविद्यालय में 30वाँ वार्षिक खेल दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि देश के जानेमाने एमएमए फाइटर, अभिनेता और एथलीट संग्राम सिंह, उनके कोच भूपेन्द्र सिंह, विशेष अतिथि पूर्वांचल विश्विद्यालय के पूर्व कुलगुरु प्रो. पी सी पातंजली, सामाजिक कार्यकर्ता देवेंद्र यादव एवं वरिष्ठ पत्रकार मुकेश केजरीवाल शामिल हुए। वार्षिक खेल दिवस के अवसर पर रस्सा-कस्सी , दौड़ और अन्य खेलों का आयोजन हुआ। इस अवसर पर संग्राम सिंह ने कहा कि किसी देश की ताकत वहां की सेना और युवा होते हैं। उन्होंने कहा कि मैं हारता कभी नहीं, या तो जीतता हूँ, या सीखता हूँ। उन्होंने अपना आदर्श भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, सुभाषचंद्र बोस जैसे महान लोगों को बताया। मुख्य अतिथि ने युवाओं को नशे से दूर रहने का परामर्श दिया।

विद्यार्थियों को शपथ दिलाते फाइटर संग्राम सिंह

संग्राम सिंह ने कहा कि हमारी हार वो नहीं है कि हमें दुनिया नहीं जानती, बल्कि ये है कि हम खुद को नहीं पहचानते। संस्थापक प्राचार्य रहे प्रो. पी.सी. पातंजली ने कहा कि संग्राम सिंह फाइटर के साथ अभिनेता भी हैं। प्राचार्य प्रो. सदानंद प्रसाद ने बताया कि महाविद्यालय खेल समिति खिलाड़ियों के लिए नए अवसर सृजित करती है। उन्होंने अतिथियों का स्वागत किया और खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। वरिष्ठ पत्रकार मुकेश केजरीवाल ने कहा कि किसी भी कार्य को यदि पूरे लगन और ईमानदारी से किया जाए तो सफलता निश्चित है। शारीरिक शिक्षा के संयोजक डॉ. केके शर्मा ने कहा कि हमारे खिलाड़ी नाम से नहीं काम से जाने जाते हैं। 30वें वार्षिक खेल दिवस का शुभारंभ ध्वजारोहण और मशाल प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन प्रो. राजेश उपाध्याय और मंच संचालन सक्षम पांडे ने किया। कार्यक्रम में प्रो. बिजेंद्र कुमार, प्रो. शशि रानी, प्रो. चित्रा रानी, प्रो. अरविंद यादव, डॉ. सुभाष गौतम, डॉ. प्रवीण झा, डॉ. विनीत कुमार, डॉ. अरुण प्रताप सिंह, डॉ आदर्श मिश्र, डॉ तारा शंकर, अखिलेश कुमार शामिल रहे।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय में 'राजभाषा हिन्दी' पर कार्यशाला व प्रतियोगिता का आयोजन

राजभाषा कार्यशाला में शिरकत करती समिति

डॉ. भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय की राजभाषा समिति ने विद्यार्थियों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला एवं पत्र-लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का विषय 'कार्यालयी पत्र-व्यवहार एवं राजभाषा हिन्दी' रहा, जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों को आधिकारिक कामकाज में हिन्दी के प्रयोग और औपचारिक पत्र-लेखन की बारीकियों से अवगत कराना था। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के राजभाषा प्रबंधक अभिनय कुमार झा उपस्थित रहे। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. सदानंद प्रसाद, कार्यक्रम की संयोजिका प्रो. शशि रानी और सह-संयोजक प्रो. राम प्रकाश द्विवेदी ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। प्राचार्य प्रो. सदानंद प्रसाद ने अपने संबोधन में राजभाषा हिन्दी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कार्यालयी कार्यों में सरल और स्पष्ट हिन्दी का प्रयोग न केवल संवाद को सुगम बनाता है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक पहचान को भी सुदृढ़ करता है। उन्होंने विद्यार्थियों को इस कार्यशाला का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। अभिनय कुमार झा ने 'कार्यालयी पत्र-व्यवहार' के विभिन्न तकनीकी पहलुओं को साझा करते हुए सरकारी और अर्ध-सरकारी संस्थानों में टिप्पण (Noting) और प्रारूपण (Drafting) पर विस्तारपूर्वक चर्चा की और राष्ट्रभाषा एवं राजभाषा में अंतर को भी स्पष्ट किया। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में विद्यार्थियों और कर्मचारियों के लिए पत्र-लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें उन्होंने प्रतिभाग किया। समिति के सदस्य प्रो. ममता, प्रो. अर्चना माथुर, डॉ. विनीत कुमार एवं विशेष आमंत्रित सदस्य प्रो. बिजेंद्र कुमार एवं डॉ. राजबाला गौतम सहित कॉलेज के अन्य शिक्षक और भारी संख्या में छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

चल वैजयंती अंतर महाविद्यालय वाद विवाद प्रतियोगिता में हिन्दू कॉलेज को मिला प्रथम पुरस्कार

डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज की संवाद वाद-विवाद समिति ने 'विकसित भारत के लिए जैन जी कल्चर अनिवार्य है' विषय पर चल वैजयन्ती अंतरमहाविद्यालय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें 13 महाविद्यालयों के कुल 26 प्रतिभागियों ने विषय के पक्ष और विपक्ष में विचार रखे। समिति द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य प्रो. सदानंद प्रसाद के साथ निर्णायक मंडल में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रौढ़ शिक्षा, सतत और प्रसार विभाग के सह प्राध्यापक डॉ. बंदरा सिसोदिया, श्यामलाल कॉलेज के हिंदी विभाग के सह प्राध्यापक डॉ. राज कुमार प्रसाद और दैनिक जागरण के वरिष्ठ पत्रकार श्री निहाल पाल सिंह भी उपस्थित रहे। चल वैजयन्ती प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार हिन्दू कॉलेज के वैभव और अनंत ने जीता। द्वितीय पुरस्कार लेडी श्रीराम कॉलेज की कृष्णा पाठक और आर्या दीक्षित और तृतीय पुरस्कार डॉ. भीमराव अम्बेडकर कॉलेज के तनु त्रिवेदी और नंदिनी ने प्राप्त किया। प्रोत्साहन पुरस्कार आत्मा राम सनातन धर्म महाविद्यालय के आदित्य और महक के साथ मिराण्डा हाउस कॉलेज के कृणाली और स्नेहा ने प्राप्त किया। कॉलेज प्राचार्य प्रो.सदानंद प्रसाद, संवाद समिति संयोजक प्रो. राजेश उपाध्याय और सह संजोजक सुश्री दिलजीत कौर और अतिथियों ने चल वैजयन्ती ट्रॉफी विजेताओं को प्रदान की। प्राचार्य प्रो. सदानंद प्रसाद ने संबोधन में कहा कि वाद-विवाद का मंच विद्यार्थियों को अपनी बौद्धिक क्षमता बढ़ाने का अवसर देता है। प्रो. राजेश उपाध्याय ने कहा कि यह प्रतियोगिता सिर्फ ट्रॉफी जीतने तक ही सीमित नहीं बल्कि यदि आप प्रतिभागियों को सुनते भी हैं तो समसामयिक घटनाओं से परिचित होते हैं। डॉ वंदना सिसोदिया ने बताया कि विषय युवाओं को कनेक्ट करता है। निहाल पाल सिंह ने कहा कि आपकी प्रस्तुति में आपकी प्रतिभा झलकती है। डॉ राज कुमार प्रसाद ने कहा कि विकसित भारत में युवाओं की भागीदारी जरूरी है। प्रतियोगिता की शुरुआत अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीपार्चन के साथ हुई। अतिथियों का स्वागत पौधा देकर किया गया।

हिन्दु कॉलेज के विजेताओं को वैजयंती प्रदान करते प्राचार्य और अन्य प्राध्यापक

मंच संचालन सूर्योम और विमलेश और धन्यवाद ज्ञापन संयोजिका दिलजीत कौर ने किया। इस अवसर पर प्रो. बिजेंद्र कुमार, प्रो. रामप्रकाश द्विवेदी, प्रो. जया वर्मा, प्रो. शशि रानी, प्रो. सीमा सोढ़ी. प्रो. चित्रा रानी, अर्चना माथुर, डॉ. नेहा शर्मा, डॉ. केके शर्मा, डॉ. ताराशंकर, डॉ. विनीत कुमार, डॉ. प्रवीण झा, डॉ. सुभाष गौतम, डॉ. रंजीत कुमार, हरिकिशन के साथ भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

देवनागरी हस्ताक्षर अभियान में छात्रों की जोरदार भागीदारी

डॉ. भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय परिसर में मंगलवार को राजभाषा समिति द्वारा देवनागरी हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। इस हस्ताक्षर अभियान का उद्देश्य राजभाषा के रूप में हिन्दी के प्रति जागरूकता का प्रसार करना था। अभियान का आरंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सदानंद प्रसाद ने हस्ताक्षर पट्टिका पर देवनागरी में हस्ताक्षर और पंजिका में अपने विवरण दर्ज कर किया। प्राचार्य ने विद्यार्थियों को राजभाषा की विशेषता बताते हुए कहा कि राजभाषा ही हमारी पहचान है। हिन्दी भाषा एक ऐसी कड़ी है जो हमें एक दूसरे से जोड़ने का प्रयास करती है। मातृभाषा में मनुष्य विचारों को अच्छी तरह प्रस्तुत कर पाता है। भावों की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम राजभाषा है।

देवनागरी हस्ताक्षर अभियान में शिरकत करते प्राचार्य प्रो. सदानंद प्रसाद, अन्य प्राध्यापक और विद्यार्थीगण

राजभाषा समिति की संयोजिका प्रो. शशि रानी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन हमारे महाविद्यालय के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय की तरह है। आज हम केवल हस्ताक्षर अभियान शुरू नहीं कर रहे हैं अपितु हम अपनी पहचान, संस्कृति और जड़ों की ओर लौटने का संकल्प ले रहे हैं। यह अभियान केवल औपचारिकता नहीं है बल्कि हमारी वैचारिक स्वतंत्रता का उद्घोष है। राजभाषा समिति आप सबों से आह्वान करती है कि हस्ताक्षर पट्टिका और हस्ताक्षर पंजिका पर अपने हस्ताक्षर हिन्दी में अंकित कर अभियान की मशाल जलाए। आपके हस्ताक्षर में वह शक्ति है जो संचिकाओं के अम्बार में दबी राजभाषा को पुनर्जीवित कर सकती है। उन्होंने कहा कि आज से 77 वर्ष पूर्व 14 सितबर 1949 को संविधान के अनुच्छेद 343(1) में हिन्दी को देवनागरी लिपि में संघ की राजभाषा का दर्जा दिया गया परन्तु केवल दस से पंद्रह प्रतिशत काम ही राजभाषा हिन्दी में होता है। इस स्थिति में बदलाव लाने के लिए आज जरूरत है कि हम राजभाषा को संगोष्ठियों और पखवाड़ों से निकालकर उसे अपने अस्तित्व का हिस्सा बनायें। अपने सभी दस्तावेजों पर हिन्दी में हस्ताक्षर करें। आइए हम सभी संकल्प लें कि मेरा हस्ताक्षर, मेरी पहचान है, हिन्दी भारत की शान है।

देवनागरी हस्ताक्षर अभियान में तकरीबन सात सौ लोगों ने हस्ताक्षर किये। इस कार्यक्रम में सौ से ज्यादा शिक्षक अस्सी से ज्यादा कर्मचारी और भारी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

प्रो. रामप्रकाश द्विवेदी ने कार्यक्रम के संपन्न होने पर कार्यक्रम में उपस्थित होने और इस कार्यक्रम में भाग लेने लिए सभी का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में प्रो. बिजेन्द्र कुमार, प्रो. ममता, प्रो. दीपाली जैन, प्रो. पूनम मित्तल, प्रवीण विश्वकर्मा, सुनीता, रमा सोयं, स्वर्ण शर्मा, डॉ. नीलम गुप्ता, प्रो. सोनिया, प्रो. नीरव अडालजा, प्रो. रियाज, प्रो. सुजीत, डॉ. तारा शंकर, डॉ. किसलय, प्रो. मालिनी, प्रो. अनीता श्रीवास्तव, प्रो. सरला भारद्वाज, डॉ. सुनीता, डॉ. राकेश साहनी, प्रो. सुनीता मलिक, सरिता, मनीष, पप्पू आदि समेत सैकड़ों विद्यार्थी शामिल रहे।

बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के 70 वें महापरिनिर्वाण दिवस पर स्मृति व्याख्यान का आयोजन

बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के 70वें महापरिनिर्वाण दिवस पर डॉ. भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय में विशेष स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया गया। वर्तमान संदर्भ में डॉ. भीमराव अम्बेडकर के विचारों की प्रासंगिकता विषय पर अतिथि वक्ताओं ने अम्बेडकर के जीवन व मूल्यों पर चर्चा की।

व्याख्यान में बतौर मुख्य अतिथि वित्त मंत्रालय के संयुक्त सचिव बलदेव पुरुषार्थ, विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार सतीश कुमार सिंह और अम्बेडकर महाविद्यालय शासी निकाय के अध्यक्ष प्रो. रणजित् बेहेरा के साथ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सदानंद प्रसाद उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि बलदेव पुरुषार्थ ने व्याख्यान में कहा कि अम्बेडकर अतिव्यक्तिवाद और व्यक्ति पूजा के विरोधी थे। इसलिए वर्तमान में सभी को अतिरंजना से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमने बाबा साहब के बारे में पढ़ना छोड़ दिया है जिससे उनके विचारों को जीवंत करने में बाधाएं आई हैं। बाबा साहब को वास्तविक सम्मान और श्रद्धांजलि उनके विचारों को समझने और आत्मसात् कर दिया जा सकता है। अम्बेडकर की विलक्षणता के बारे में बताते हुए कहा कि बाबा साहब को ज्ञान व अनुभव के अद्वितीय मिश्रण ने विशेष बनाया था।

महापरिनिर्वाण दिवस पर डॉ. भीमराव अंबेडकर को कृतज्ञ महाविद्यालय का नमन

श्री पुरुषार्थ ने विद्यार्थियों से अपील कर कहा कि विचारों को समग्र रूप से जानना चाहिए और 'कट-पेस्ट से बचना चाहिए।

वरिष्ठ पत्रकार सतीश कुमार सिंह ने अम्बेडकर के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि बाबा साहब के नेतृत्व में भारतीय संविधान का निर्माण भारत के इतिहास की सबसे बड़ी घटना के तौर पर देखा जाना चाहिए। महाविद्यालय शासी निकाय के अध्यक्ष प्रो. रणजित् बेहेरा ने बताया कि महाविद्यालय के चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों को अम्बेडकर के विचारों व मूल्यों पर शोध कार्य करना चाहिए। महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. सदानंद प्रसाद ने कहा कि भारत के लिए समावेशी समाज का रास्ता अभी लंबा है परंतु बाबा साहब के समानता के विचार से ही इस दूरी को तय किया जा सकता है।

कार्यक्रम संयोजिका प्रो. दीपाली जैन ने व्याख्यान का संचालन किया। प्रो. बिजेंद्र कुमार, प्रो. शशि रानी, प्रो. राजेश उपाध्याय, प्रो. नीरव अडालजा, डॉ. कुमार सत्यम, डॉ. विनीत कुमार और डॉ. तारा शंकर उपस्थित रहे।

पर हित सरिस धर्म नहिं भाई: प्रो. बिजेंद्र

रक्तदान और एड्स कार्यक्रम में शामिल

डॉ. भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय में रेड रिबन क्लब, एनएसएस एवं जीटीबी हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में रक्त दान एवं एड्स पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजिका प्रो. निशि शर्मा ने स्वागत भाषण में कहा कि एचआईवी और एड्स जैसे गंभीर समस्याओं पर झिझक खत्म करने की आवश्यकता है।

प्रो. बिजेंद्र कुमार ने कहा कि रक्त दान से बड़ा कोई दान नहीं होता है। पर हित सरिस धर्म नहिं भाई, यानि दूसरों की भलाई करने के समान कोई श्रेष्ठ धर्म नहीं है। उन्होंने छात्रों से रक्त दान करने का आह्वान किया और कहा कि रक्त दान को लेकर किसी भ्रम में पड़ने की आवश्यकता नहीं है।

गुरु तेग बहादुर अस्पताल की डॉ. ऋचा गुप्ता ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं से रक्त दान की बहुत उम्मीद है। उन्होंने रक्त दान के तकनीकी पहलुओं को समझाया और पैसे लेकर रक्तदान नहीं करने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि यदि भारत में एक प्रतिशत व्यक्ति भी नियमित रक्तदाता हो जाएं तो देशभर में प्रतिदिन 2 मिलियन यूनिट ब्लड की आवश्यकता की पूर्ति आसानी से सुनिश्चित की जा सकती है।

डॉ. गुप्ता ने एचआईवी और एड्स के संक्रमण से छात्रों को जागरूक किया। एचआईवी और एड्स के संक्रमण को पहचानने के तरीकों से विद्यार्थियों को परिचित कराया। बताया कि एड्स से संक्रमित मरीज की जानकारी गोपनीय रखी जाती है और उनका इलाज मुफ्त किया जाता है। उन्होंने ह्यूमन पेपिलोमावायरस (एचपीवी) के टीके लगवाने पर ध्यान केंद्रित किया। कार्यक्रम में संयोजिका प्रो. निशि शर्मा, एन. एस. एस प्रोग्राम अधिकारी प्रो. अवतार सिंह, डॉ. अंजली सुमन, रेड रिबन क्लब और एनएसएस के वॉलेंटियर एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पृष्ठ 01 से शेष... जितनी हिन्दी आप जानते और बोलते हैं, उतनी हिन्दी सूरीनाम के लोग आज भी बोलते हैं। श्रीराम के देश के रूप में विख्यात सूरीनाम मिनी इंडिया के रूप में जाना जाता है। उन्होंने अपने पूर्वजों के संघर्ष को याद दिलाया। सुनैना मोहन ने कहा कि आप कहीं भी जाएं, कितने भी सफल हो जाएं लेकिन अपनी अस्तित्व को न भूलें। उन्होंने महाविद्यालय के साथ एक पारस्परिक समझौते पर हस्ताक्षर करने की बात भी कही जिससे दोनों देशों के विद्यार्थियों के बीच शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा दिया जा सके। वार्षिकोत्सव में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सदानंद प्रसाद ने शैक्षणिक वर्ष 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए शैक्षणिक, खेल-कूद समेत तमाम गतिविधियों एवं अकादमिक उपलब्धियों का विवरण प्रस्तुत किया। प्राचार्य प्रो. सदानंद प्रसाद ने कहा कि डॉ भीमराव अंबेडकर कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय के सबसे प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में से एक है। उन्होंने कहा कि कॉलेज को इस ऊंचाई तक लाने में यहां के छात्रों के साथ-साथ शिक्षकों एवं कर्मचारियों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वार्षिकोत्सव समारोह में सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी का पुरस्कार बीए प्रोग्राम के तृतीय वर्ष के हर्ष कुमार सिंह को दिया गया। शीतला प्रसाद सिंह पुरस्कार 2025 हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रम के चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थी करुणा नयन चतुर्वेदी को दिया गया। एनसीसी के सीनियर अंडर ऑफिसर का पुरस्कार सक्षम पाण्डेय और हिना को दिया गया। कैडेट कैप्टन का पुरस्कार किशन कुमार साहू को प्रदान किया गया। योगेश वार्ष्णेय गोल्ड मेडल बीए ऑनर्स बिजनेस इकोनॉमिक्स तृतीय वर्ष की रिदिमा को, माँ लक्ष्मी देवी मेमोरियल गोल्ड मेडल हिन्दी पत्रकारिता की सौम्या पटेल, सुल्तानचंद मेमोरियल गोल्ड मेडल बीकॉम ऑनर्स की पलक पांडेय, बीपी मौर्या मेमोरियल मेरिटोरिअस अवार्ड बीए प्रोग्राम के शार्दुल पांडेय, बापू पीएन सिंह गोल्ड मेडल बीए ऑनर्स सोशल वर्क इति श्रीवास्तव को दिया गया। कार्यक्रम का संयोजन प्रो. दीपाली जैन और सह-संयोजन प्रो. ममता ने किया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. शशि रानी और प्रो. पूनम मित्तल ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिल्ली विधान सभा के अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता को महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सदानंद प्रसाद ने पौधा, महाविद्यालय के शासी निकाय के अध्यक्ष प्रो. रणजित् बेहेरा ने शॉल और स्मृति चिन्ह प्रो. बिजेन्द्र कुमार ने देकर स्वागत किया। इस अवसर पर कॉलेज के पूर्व प्राध्यापक और पूर्व कर्मचारीगण भी उपस्थित रहे जिन्हें महाविद्यालय द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सैंकड़ों विद्यार्थी शामिल रहे। कार्यक्रम में प्रो. बिजेन्द्र कुमार, प्रो. राजेश उपाध्याय, प्रो. नीरव अडालजा , डॉ विनीत कुमार , डॉ मधुरेश, डॉ राजबाला गौतम, प्रो. कुसुम नेहरा, प्रो. ममता वालिया, प्रो. संजीव कुमार, डॉ जितेन्द्र नागर, डॉ राकेश कुमार, डॉ सुभाष गौतम, डॉ रंजीत कुमार, डॉ प्रवीण झा, डॉ महेश कुमार, डॉ तारा शंकर , डॉ तृष्णा, प्रो. नरेन्द्र ठाकुर, प्रो. सुनीता मलिक, डॉ सुनीता शर्मा उपस्थित रहे।

निरोगी काया की चाभी योग

अंतर-राष्ट्रीय योग दिवस पर योग करते प्राचार्य शासी निकाय के अध्यक्ष समेत विद्यार्थी

डॉ. भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय की योग समिति द्वारा आयुष मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में विश्वभर में मनाए जा रहे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर "योग संगम" का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय अभियान का उद्देश्य योग को जन-जन तक पहुंचाना और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना रहा। इस आयोजन का उद्देश्य 'पूरब से पश्चिम तक योग' की भावना का प्रसार था। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्र ॐ की पवित्र ध्वनि से हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य प्रो. सदानंद प्रसाद और प्रो. त्यागी विशिष्ट अतिथि रहे। प्रो. सदानंद प्रसाद ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक पूर्ण कला है, जो आत्मा, प्रकृति और परमात्मा से जोड़ती है। प्रो. त्यागी ने कहा कि कार्य को निरंतर जारी रखना ही इस अभियान की सफलता की कुंजी है। योग आंतरिक अनुशासन और बाह्य संतुलन का सशक्त माध्यम है। प्रो. संगीता शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला।

योग भारत की पांच हजार वर्षों पुरानी परंपरा का जीवंत प्रमाण है। योग गुरु श्री श्याम सुंदर ने योग के नैतिक और सामाजिक पहलुओं को रेखांकित करते हुए कहा, योग, सोच और कर्म को संतुलित कर चरित्र निर्माण में सहायक होता है।

राष्ट्रभक्ति और अनुशासन एनसीसी का ध्येय

एनसीसी कैडेट्स के साथ ऑफिसर

डॉ. भीमराव अम्बेडकर कॉलेज में एनसीसी के द्वारा एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य कैडेट्स के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ उनमें राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और रचनात्मकता की भावना को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम की शुरुआत एनसीसी गीत की प्रस्तुति के साथ हुई। कार्यक्रम में एनसीसी अधिकारी, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान एनसीसी कैडेट्स के लिए विभिन्न शैक्षणिक एवं रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। एनसीसी कैडेट्स ने राष्ट्रीय मुद्दे पर पोस्टर मेकिंग, निबंध लेखन, प्रश्नोत्तरी तथा लघु भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया। इन सभी प्रतियोगिताओं में कैडेट्स ने अत्यंत उत्साह, आत्मविश्वास एवं रचनात्मक सोच के साथ भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता के माध्यम से कैडेट्स ने देश से जुड़े विभिन्न समसामयिक और राष्ट्रीय मुद्दों पर अपनी कलात्मक अभिव्यक्ति को प्रस्तुत किया।

निबंध लेखन और भाषण प्रतियोगिता में कैडेट्स ने अपने विचारों को स्पष्ट, तार्किक और प्रभावशाली ढंग से व्यक्त किया। वहीं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता ने उनके सामान्य ज्ञान और बौद्धिक क्षमता को परखने का कार्य किया गया। कार्यक्रम के दौरान रील मेकिंग प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन कर किया गया। कार्यक्रम में आर्मी विंग के ए एन ओ प्रो. राजवीर वत्स, नेवल विंग के ए एन ओ डॉ. अरविंद यादव और एन सी सी कैडेटस उपस्थित रहे।

पर्यावरण चेतना और देखभाल समय की माँग

दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ भीमराव अंबेडकर कॉलेज के पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा (ESDA) के संयुक्त तत्वावधान में "Earth Day & Enviro-Fest" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पद्म श्री ,श्री उमा शंकर पांडे रहे। विशेष अतिथि के रूप में श्री वी. पी. यादव और डॉ. गीतांजली सेगीना ने भी पर्यावरणीय चुनौतियों और समाधान के पहलूओं को समझाया।

जल योद्धा पद्मश्री उमा शंकर पांडे ने जल संरक्षण की गंभीरता को अत्यंत सहज परंतु गहन शब्दों में प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि मेरी असली पहचान पेड़-पौधों और पानी से बनी है। पानी बनाया नहीं जाता, उसे केवल बचाया जा सकता है।" अपने व्याख्यान में उन्होंने वर्तमान और पूर्व पीढ़ियों की जल साक्षरता की तुलना करते हुए कहा, "हमारी पीढ़ी ने पानी को तालाब, कुएं और नदी में देखा, जबकि आज की पीढ़ी सिर्फ टोटी में देखती है।" उन्होंने ऐतिहासिक उदाहरणों से प्रेरणा देते हुए बताया कि "महाराज भगीरथ से लेकर अहिल्या बाई होलकर तक ने इस देश को जल समृद्ध बनाने के प्रयास किए हैं। गंगा-यमुना के देश में आज पानी सबसे बड़ा व्यापार बन गया है। विशिष्ट अतिथि श्री वी. पी. यादव (निदेशक, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, भारत सरकार) ने भी पर्यावरणीय दोहन पर गंभीर चिंता जताई।

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, "धरती को हमने केवल शोषित किया है। क्या सारे संसाधन केवल हमारे उपभोग के लिए हैं?" उन्होंने युवाओं को सचेत करते हुए कहा, "जिसकी आवश्यकता न हो, उसका प्रयोग न करें। संसाधनों के प्रति विवेकशील होना ही सच्ची पर्यावरणीय जिम्मेदारी है।" उनका वक्तव्य न केवल प्रश्न खड़ा करता है, बल्कि उत्तर की ओर भी इंगित करता है, संतुलन, संयम और संवेदनशीलता। वहीं दूसरी विशिष्ट अतिथि डॉ. गीतांजलि सेगीना (वैज्ञानिक 'बी', ICMR) ने पर्यावरण और अर्थव्यवस्था के गहरे संबंध को सामने रखा। उन्होंने कहा, "पर्यावरण का असर सिर्फ स्वास्थ्य या प्रकृति पर नहीं पड़ता, इसका सीधा असर हमारी अर्थव्यवस्था पर भी होता है। जब पर्यावरण असंतुलित होता है, तो उत्पादन, स्वास्थ्य सेवा, कृषि और रोज़गार सभी प्रभावित होते हैं। "वही इस कार्यक्रम कि शुरुआत द्वीप प्रज्ज्वलन और सवारस्वती वंदना से हुई। ध्यानवाद ज्ञापन प्रो. कादयान ने किया। उन्होंने कहा कि आज का विचार सूचनात्मक विचार रहा। और सबका आभार व्यक्त किया।

पानी व्यापार का एक व्यापारिक केन्द्र

शिक्षक सहयोगी : प्रो. बिजेन्द्र कुमार, प्रो. शशि रानी, डॉ. राकेश यादव, डॉ. प्रवीण झा, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. रंजीत कुमार, डॉ. सुभाष गौतम
डिज़ाइन परिकल्पना : नीरज कुमार, *प्रेम कुमार, आलोक कुमार, नितिन झा, राम पाठक,*
छात्र सहयोगी : *करुणा नयन चतुर्वेदी, अंशु कुमार, सौभाग्य, सक्षम पाण्डेय, अर्पित ओम यादव,दिलीप,तनु,गणेश,विशु,मानसी,ज्योति सैनी,दीपा,दीपिका,अमित कुमार,शिवम सिंह*

डिस्क्लेमर: ब्राक मीडिया के इस प्रायोगिक समाचार-पत्र में छपी सामग्री लेखक के अपने विचार है, इस सामग्री का संपादकीय टीम से कोई संबंध नहीं है।